केरल पाठावली
हिंदी

कक्षा V
Standard - 5

भाग 2

Kerala Reader
HINDI

केरल सरकार
सार्वजनिक शिक्षा विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्
केरल, तिरुवनंतपुरम
2024

राष्ट्रगान

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे।

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे। हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

Prepared by
State Council of Educational Research and Training(SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala
Website : www.scertkerala.gov.in, e-mail : scertkerala@gmail.com
Phone : 0471-2341883, Fax : 0471-2341869
Typeset and design by : SCERT, First Edition : 2024
Printed at : KBPS, Kakkanad, Kochi-30
© Department of General Education, Government of Kerala

प्रिय छात्रो,

समय की ज़रूरत के अनुकूल समाज के गुणात्मक परिवर्तन को लक्ष्य में रखकर केरल राज्य में शिक्षा के नवीकरण का कार्य चलता रहता है। यह नवीकरण छात्रों के मानसिक तथा बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखकर ही किया जा रहा है। इस नवीकरण के दौरान पाँचवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक प्रकाशित हो रही है। संसार और समाज को देखने-परखने के आपके दृष्टिकोण को सकारात्मक गति देने में यह सहायक रहेगी। इसकी विभिन्न विधाओं से गुज़रिए, विभिन्न गतिविधियों से अपने ज्ञान का विस्तार करें और अपनी क्षमता को बढ़ावा दें। आशा है कि यह पुस्तक इन लक्ष्यों की पूर्ति करने में सहायक रहेगी।

डॉ. जयप्रकाश आर के

निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं

प्रशिक्षण परिषद्, केरल

HINDI - CLASS - V
TEXTBOOK DEVELOPMENT TEAM

ADVISOR

Prof.(Dr).S.R JAYASREE

Professor & Head Department of Hindi University of Kerala,Trivandrum

CHAIRPERSON

Prof.(Dr).SUMA S

Principal,MMS GOVT Arts & Science College,Malayinkeezhu,Trivandrum

EXPERTS

Prof.(Dr).MOOSA M,Director SSUS Regional Campus,Tirur,Malappuram

Dr. SESHAN K,Associate Professor (Rtd),Govt Arts & Science College,Calicut

PARTICIPANTS

SIVAPRASAD M R, Block Project Co-ordinator,BRC Palakkad

PRAMOD O, Block Project Co-ordinator,BRC Kozhikode

B.M.SREELATHA, Instructor,RILT(Hindi),Trivandrum

MANOJKUMAR P, District Project Co-cordintor,SSK Malappuram

ABHILASH S, Hindi Teacher,Govt UPS Kuttamala, Kattakada,Trivandrum

MANJUMOL P, Hindi Teacher,Govt UPS Venjaramoodu,Trivandrum

CHITRA NARAYAN, Hsst.jr.GHSS Elimullumplackal, Pathanamthitta

DR.SHIJU S G, Hindi Teacher,Govt UPS Pannippara,Malappuram

BALAKRISHNAN KADIRUR, Art Teacher (Rtd),GHSS Muppathadam,EKM

AGITH G KRISHNAN, Drawing Teacher,BRC Kollengode,Palakkad

HARIKRISHNAN R, HST drawing,SVHSS Clappana ,Kollam

WILLIAM P, HST drawing,St Thomas HSS Poonthura,Trivandrum

SYAMA SASI, HST drawing (Rtd),GHSS Kakkat,Kasargode

SUSHIL SHUKLA, Ektara trust, Bhopal

HABEEB ALI, Ektara trust, Bhopal

RAJEEV AIPE, Ektara trust, Bhopal

NEELESH GEHLOT, Ektara trust, Bhopal

ACADEMIC CO-ORDINATOR

DEEPA N KUMAR

Research Officer,Hindi,SCERT Kerala,Trivandrum

State Council of Educational Research and Training,Kerala
(SCERT)

अनुक्रमणिका

शीर्षक	प्रोक्ति	रचनाकार	पृष्ठ संख्या

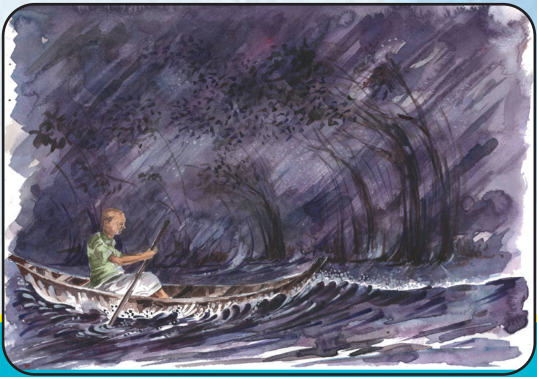

इकाई चार-सफ़र है ज़िंदगी 88-105

हवा और धूल	कविता	श्याम सुशील सिंह	90-91
दो संतरे	कहानी	मंजरी शुक्ला	95-97

इकाई पाँच-बूँदों का गीत 106-127

एक...दो...तीन...	कहानी	मुकेश नौटियाल	108-112
पानी	कविता	त्रिलोक सिंह ठकुरेला	117-118

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1]**[संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई० (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

नाम :

कक्षा :

स्कूल :

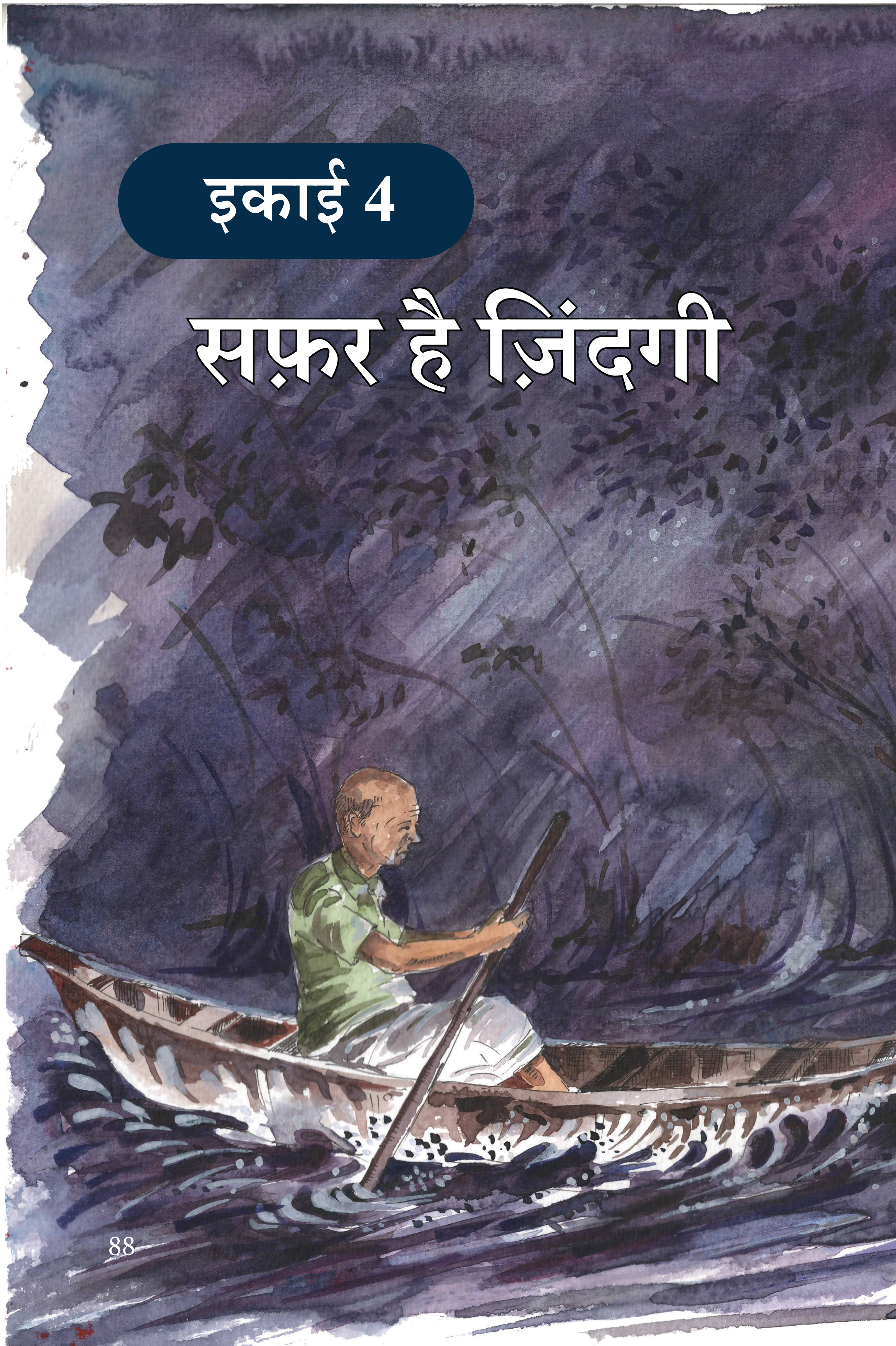
इकाई 4
सफ़र है ज़िंदगी

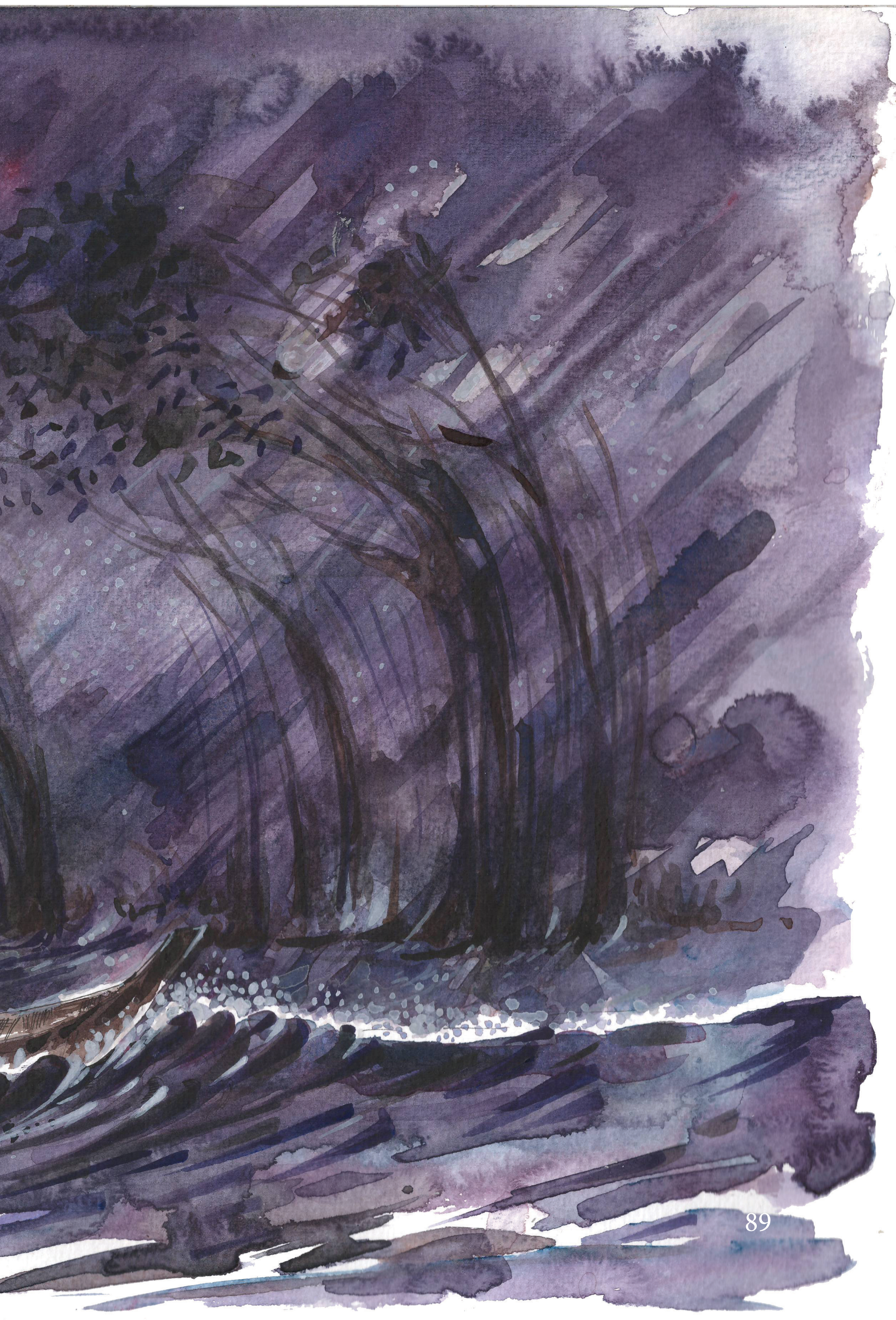

हवा और धूल

श्याम सुशील सिंह

हवा धूल को छेड़ के भागी
सोती धूल अचानक जागी
उड़ी हवा के पीछे-पीछे
हवा हो गई धूल के नीचे

धूल खोजती आँखें मींचे
दाएँ-बाएँ आगे-पीछे
हवा चल रही साँसें खींचे
नीचे-नीचे धूल के नीचे

लगा धूल को कुछ है गड़बड़
धूल धप्प से नीचे आई
धूल की आँख में धूल झोंक कर
हवा हो गई हवा-हवाई !

आलाप करें

‘धूल’ के बदले ‘घटा’ जोड़कर कविता लिखें

धूल ⬆ ⬇ घटा

हवा **धूल** को छेड़ के भागी
सोती **धूल** अचानक जागी
उड़ी हवा के पीछे-पीछे
हवा हो गई **धूल** के नीचे

उचित जोड़े चुनकर लिखें

हवा धूल को ------------------------
सोती धूल ---------------------------
उड़ी हवा के -------------------------
हवा हो गई --------------------------

- अचानक जागी
- पीछे-पीछे
- धूल के नीचे
- छेड़ के भागी

निम्नलिखित आशयवाली पंक्तियाँ कविता से चुनकर लिखें

- धूल आँखें बंदकर खोजती थी।
- वह आगे-पीछे और दाएँ-बाएँ खोजती रही।
- हवा साँसें खींचकर चल रही थी।
- हवा धूल के नीचे चल रही थी।

सही वाक्यों पर ☑ लगाएँ

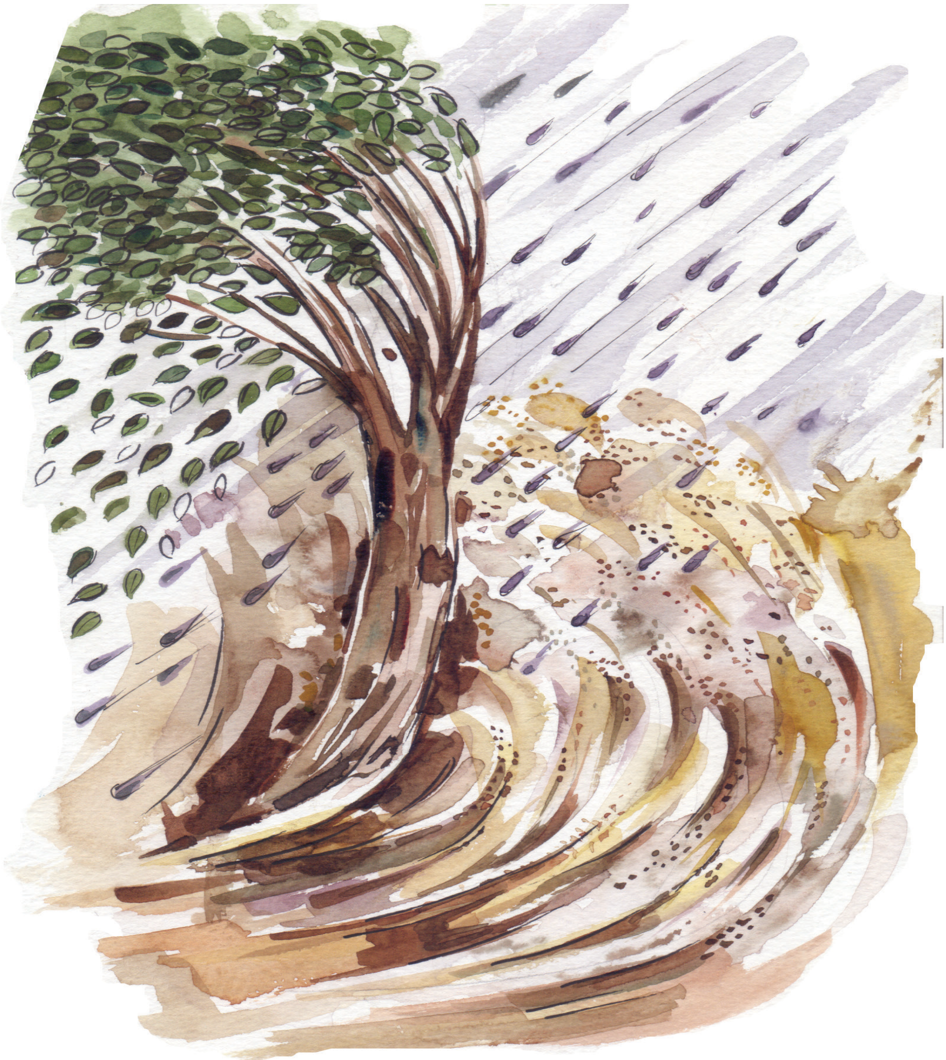

हवा के आने पर...

धूल उड़ जाएगी	☐
पत्ते गिर जाएँगे	☐
वर्षा आ जाएगी	☐
अंधेरा छा जाएगा	☐

दो संतरे

मंजरी शुक्ला

दो संतरे थे।
एक दिन वे घूमने निकले।
दोनों हँसते, लुढ़कते,
फुदकते चले जा रहे थे।
अचानक एक भालू सामने
आ गया।

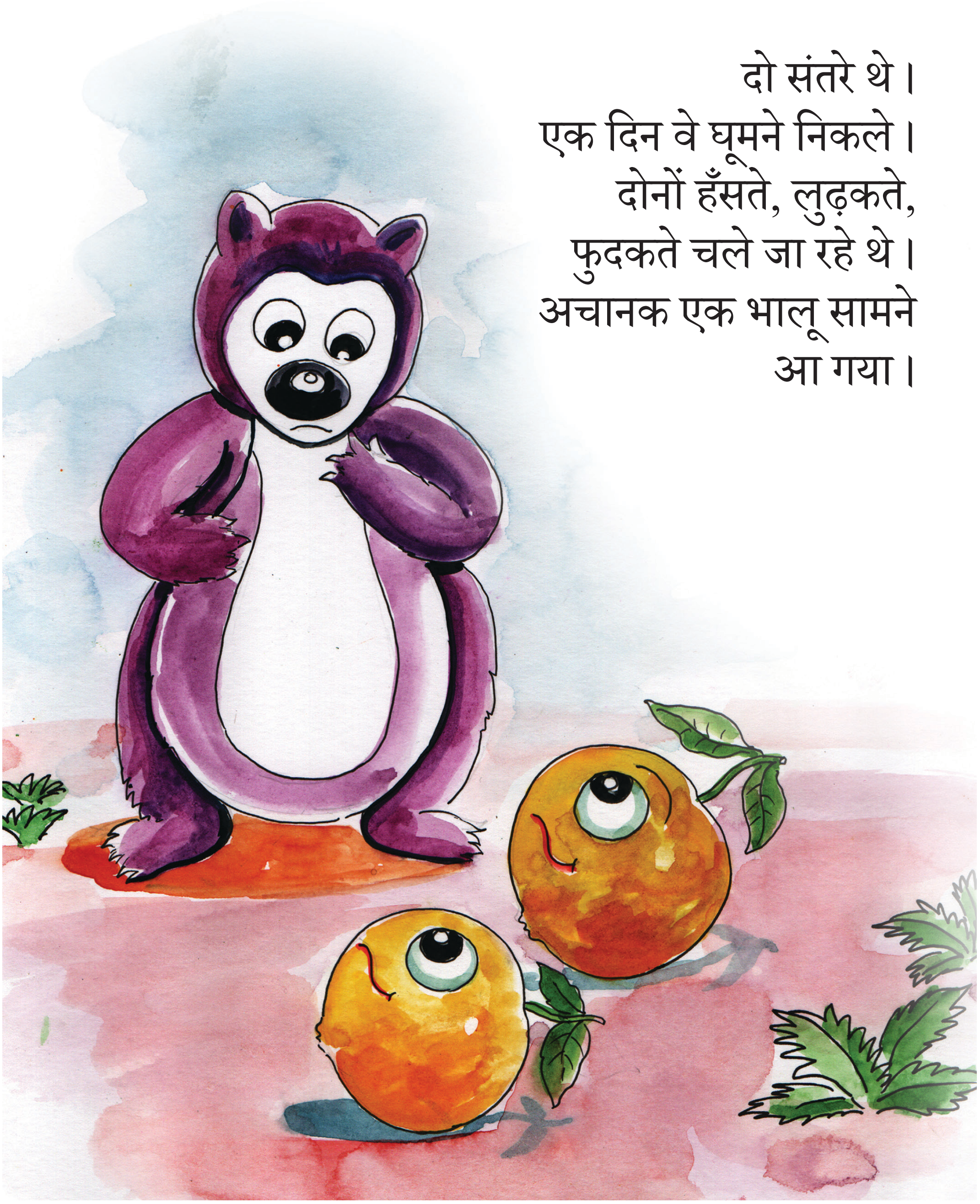

संतरों को देख उसके मुँह में
पानी आ गया। उसने एक संतरा उठाया। संतरे को
ज़ोर-से पकड़कर वह खाने ही वाला था कि संतरे का
रस उसकी आँखों में चला गया।

आँखों में जलन होने लगी।
उसने झट-से संतरे को एक तरफ़
फेंक दिया। और आँखें बंद
किए वहीं बैठ गया।

दोनों संतरे इस बात पर
खूब हँसे। इतना हँसे, इतना हँसे कि
उनकी आँखों से भी पानी आने लगा।

थोड़ी देर बाद भालू चुपचाप
वहाँ से खिसक गया।

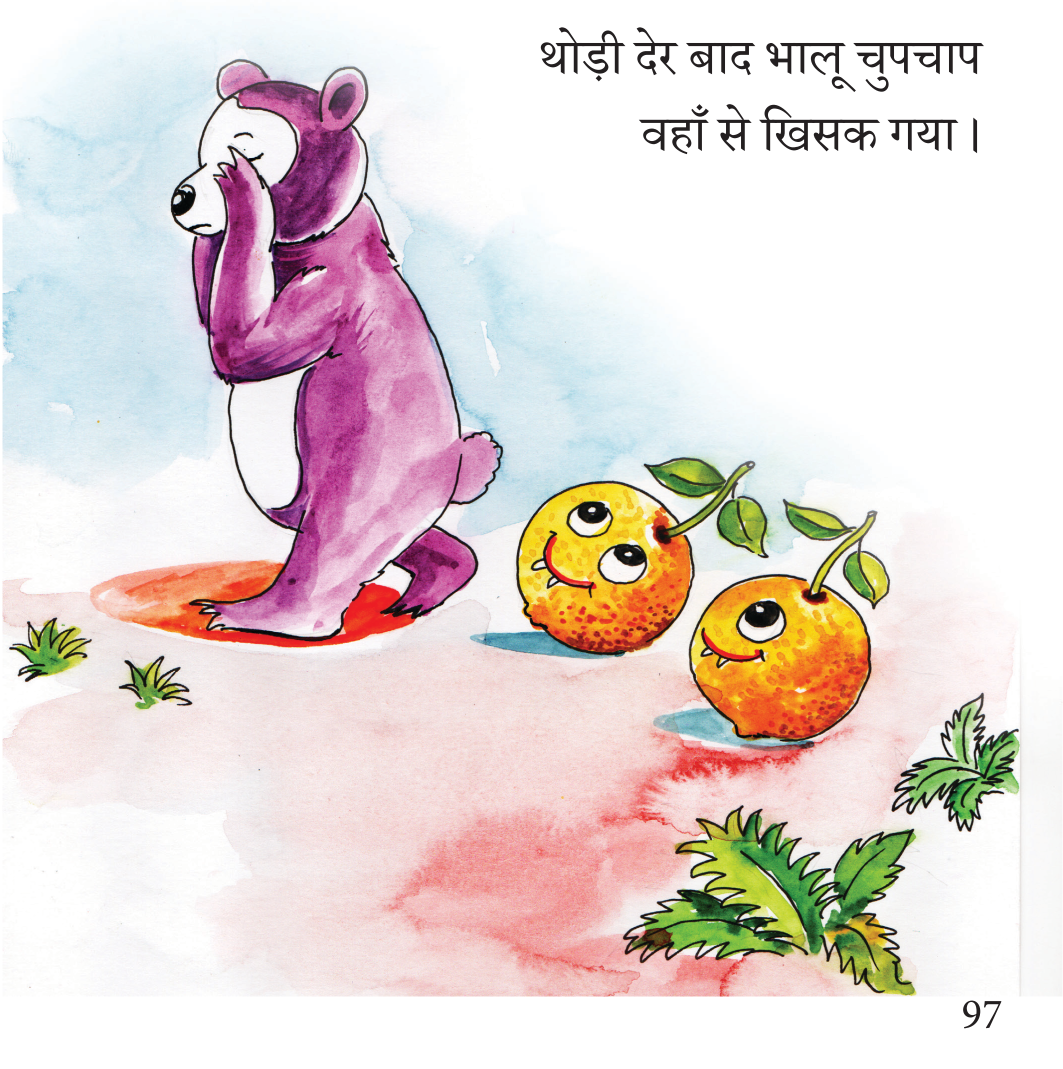

संतरे क्या-क्या करते हैं?

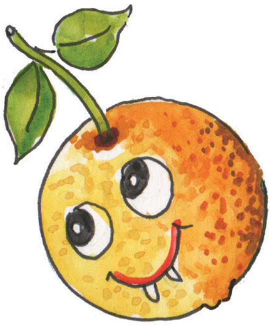

- संतरे घूमने निकलते हैं।
- संतरे हँसते हैं।
- संतरे लुढ़कते हैं।

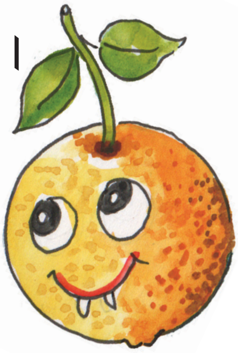

लिखें,
भालू क्या-क्या करता है?

- भालू आता है।
- ----------------------------
- ----------------------------
- ----------------------------
- ----------------------------

पढ़ें, समझें और क्रम से लिखें

- भालू ने संतरे को फेंक दिया।
- दोनों संतरे खूब हँसे।
- दो संतरे घूमने निकले।
- संतरे के रस से आँखों में जलन हुई।
- भालू संतरे को खाने वाला था।

➤ दो संतरे घूमने निकले।

➤ ----------------------------------

➤ ----------------------------------

➤ ----------------------------------

➤ ----------------------------------

कहानी का माइमिंग करें

आगे बढ़ाएँ

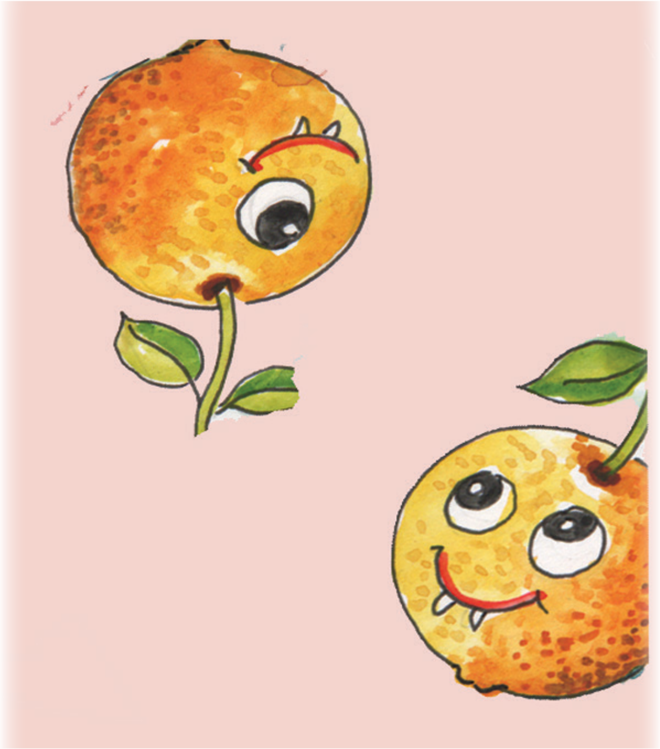

वार्तालाप को आगे बढ़ाएँ

संतरा 1 : भालू के हाथों से हम बच गए।

संतरा 2 : हाँ... हाँ... बच गए।

संतरा 1 : ....

संतरा 2 : ....

संतरा 1 : ....

संतरा 2 : ....

संतरा 1 : ....

अभिनय करें

➤ कहानी के पात्र कौन-कौन हैं?

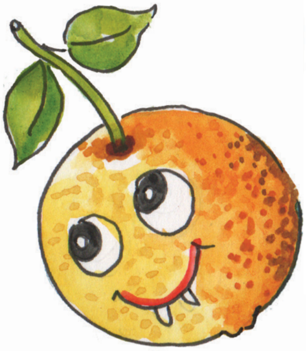

भालू

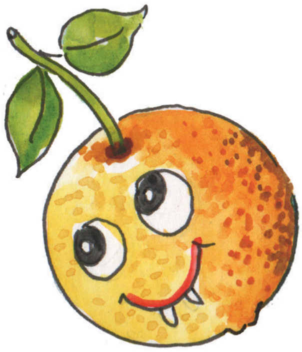

संतरा 1

संतरा 2

➤ इनके मुखौटे बनाएँ

➤ किन-किन बातों पर ध्यान दें?

* संवाद
* हाव-भाव
* आशय
* चाल-चलन

मदद लें

हवा और धूल

सफ़र है ज़िंदगी	യാത്രയാണ് ജീവിതം	ಜೀವನವು ಪಯಣವಾಗಿದೆ	பயணமே வாழ்க்கை	life is journey
हवा	കാറ്റ്	ಗಾಳಿ.	காற்று	wind
धूल	പൊടി	ಧೂಳು.	புழுதி	dust
छेड़ के भागी	കളിയാക്കി ഓടിപ്പോയി	ತಮಾಷೆಮಾಡಿ ಓಡಿಹೋಗು.	கேலி செய்து ஓடிப்போதல்	tease and ran away
सोती	ഉറങ്ങുന്ന	ಮಲಗುವ.	உறங்குகின்ற	sleeping
अचानक	പെട്ടെന്ന്	ಥಕ್ಕನೆ	திடீரென	suddenly
जागी	ഉണർന്നു	ಎಚ್ಚರವಾಯಿತು.	விழித்தல்	woke up
उड़ी	പറന്നു	ಹಾರು.	பறந்தது	flew
पीछे-पीछे	പിന്നാലെ	ಹಿಂದೆ.	பின்னால்.	behind
के नीचे	താഴെ	ಕೆಳಗೆ.	கீழே.	beneath
खोजती	തെരയുന്നു	ಹುಡುಕುವುದು.	தேடுதல்	searching
आँखें मींचे	കണ്ണുകൾ അടച്ച്	ಕಣ್ಣುಗಳು ಮುಚ್ಚಿ	கண்கள் அடைந்தன	eyes closed
दाएँ	വലത്	ಬಲ.	வலது	right

बाएँ	ഇടത്	left
	ಎಡ.	இது
आगे-पीछे	മുന്നോട്ടും പിന്നോട്ടും	forward and backward
	ಮುಂದೆ. ಹಿಂದೆ.	முன்னால்-பின்னால்
हवा चल रही	കാറ്റ് വീശുന്നു	the wind is blowing
	ಗಾಳಿ ಬೀಸುತ್ತದೆ.	காற்று வீசுகிறது
साँसें खींचे	ശ്വാസം അടക്കി	holding the breath
	ಉಸಿರಾಡುವುದು	மூச்சை இழுத்தல்
लगा	തോന്നി	felt
	ಏನೋ ಅನಿಸಿತು	தோன்றியது
गड़बड़	കുഴപ്പം	trouble
	ತೊಂದರೆ.	பிரச்சினை
धप्प से	പെട്ടെന്ന്	suddenly
	ಫಕ್ಕನೆ	திடீரென
नीचे आई	താഴെ ഇറങ്ങി	came down
	ಕೆಳಗೆ ಬಾ.	கீழே இறங்குதல்
धूल झोंक कर	കണ്ണിൽ പൊടിയിട്ട്	pull the wool over eyes
	ಕಣ್ಣಿಗೆ ಮಣ್ಣೆರಚು.	ஏமாற்றுதல்
हवा-हवाई	അപ്രത്യക്ഷമായി	quickly disappeared
		வேகமாக மறைந்தது

दो संतरे

संतरे	ഓറഞ്ച്	oranges
	ಕಿತ್ತಳೆಹಣ್ಣುಗಳು	ஆரஞ்சுகள்
एक दिन	ഒരു ദിവസം	one day
	ಒಂದು ದಿನ	ஒருநாள்
हँसते	ചിരിച്ചുകൊണ്ട്	laughingly
	ನಗುತ್ತ	சிரித்துக்கொண்டே
घूमने निकले	കറങ്ങാൻ പോയി	to roam around
	ನಡೆಯಲು ಹೊರಟವು	நடக்கப் புறப்பட்டான்

दोनों	രണ്ടുപേരും	both
	ಇಬ್ಬರೂ	இரண்டும்
लुढ़कते	ഉരുണ്ട്	rolling
	ಉರುಳುತ್ತಾ	உருண்டு
फुदकते	ചാടി	hopping
	ಜಿಗಿಯುತ್ತಾ	துள்ளியது
चले जा रहे थे	പോവുകയായിരുന്നു	were going
	ಹೋಗುತ್ತಿದ್ದವು	
	சென்றுகொண்டிருந்தனர்	
अचानक	പെട്ടെന്ന്	suddenly
	ಥಟ್ಟನೆ	திடீரென
भालू	കരടി	bear
	ಕರಡಿ	கரடி
सामने	മുന്നിൽ	in front of
	ಮುಂಭಾಗದಲ್ಲಿ	முன்னால்
आ गया	വന്നു	came
	ಬಂತು	வந்தது
मुँह में पानी आ गया	വായിൽ വെള്ളം വന്നു	mouth watering
	ಬಾಯಲ್ಲಿನೀರೂರಿತು	வாயில் நீர் ஊறியது
संतरा उठाया	ഓറഞ്ച് എടുത്തു	picked an orange
	ಕಿತ್ತಳೆಹಣ್ಣನ್ನುಹಿಡಿದುಕೊಂಡನು.	
	ஆரஞ்சை எடுத்தது	
ज़ोर से पकड़कर	മുറുകെ പിടിച്ച്	holding tightly
	ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಹಿಡಿದುಕೊಂಡು	இறுக்கமாகப் பிடித்த
खाने ही वाला था	കഴിക്കാൻ തുടങ്ങുകയായിരുന്നു	was about to eat
	ತಿನ್ನಲು ಆರಂಭಿಸಿದನು	
	சாப்பிடத் தொடங்கினேன்	
संतरे का रस	ഓറഞ്ച് തോടിന്റെ നീര്	
	limonene (juice we get from orange peel)	
	ಕಿತ್ತಳೆ ರಸ	
	ஆரஞ்சு பழத்தோலின் சாறு	
आँखों में चला गया	കണ്ണിൽ വീണു	fell in the eyes
	ಕಣ್ಣಿಗೆ ಬಿತ್ತು	கண்ணில் விழுந்தது

आँखों में जलन होने लगी	കണ്ണുനീറാൻ തുടങ്ങി — the eyes started burning ಕಣ್ಣೀರು ಬರಲು ಆರಂಭವಾಯಿತು கண் எரியத் தொடங்கியது
झट-से	പെട്ടെന്ന് — suddenly ಫಕ್ಕನೆ — திடீரென
एक तरफ़ फेंक दिया	ഒരു വശത്തേക്കെറിഞ്ഞു — thrown to one side ಕಣ್ಣೀರು ಬರಲು ಆರಂಭವಾಯಿತು ஒரு பக்கமாக எறிந்தது
आँखें बंद कीं	കണ്ണുകളടച്ചു — closed the eyes ಕಣ್ಣುಮುಚ್ಚಿದನು — கண்ணை மூடியது
वहीं बैठ गया	അവിടെ തന്നെ ഇരുന്നു — just sat there ಅಲ್ಲಿಯೇ ಕುಳಿತುಕೊಂಡನು அங்கேயே இருந்தது
इस बात पर	ഇക്കാര്യത്തിൽ — on this matter ಈ ವಿಚಾರದಲ್ಲಿ — இந்தக் காரியத்தில்
खूब हँसी	ഒരുപാട് ചിരിച്ചു — laughed a lot ಜೋರಾಗಿ ನಕ್ಕರು — மிகவும் சிரித்தது
इतना	ഇത്രമാത്രം — this much/so ಇಷ್ಟು/ಎಷ್ಟೊಂದು — இந்த அளவு
उनकी आँखों से भी पानी आने लगा	അവരുടെ കണ്ണുകളിലൂടെയും വെള്ളം വരാൻ തുടങ്ങി their own eyes started watering ಕಣ್ಣುಗಳಿಂದ ನೀ ರು ಬರಲು ತೊಡಗಿತು கண்ணிலிருந்துநீர் வரத்தொடங்கியது
थोड़ी देर बाद	കുറച്ചുസമയത്തിനുശേഷം — after some time ಸ್ವಲ್ಪಸಮಯದ ಬಳಿಕ சிறிதுநேரத்திற்குபின்
चुपचाप	മിണ്ടാതെ — silent ಮಾತನಾಡದೆ — பேசாமல்
वहाँ से	അവിടെനിന്ന് — from there ಅಲ್ಲಿಂದ — அங்கிருந்து
खिसक गया	സ്ഥലം വിട്ടു — slipped away ಜಾರಿಬೇಳು/ಪಲಾಯನಗೈಯು தப்பித்துச் சென்றது

इकाई 5

बूँदों का गीत

एक...दो...तीन...

मुकेश नौटियाल

मेरा घर सुसवा नदी के किनारे है।
वहीं जलमुर्गियों का एक परिवार भी रहता है।

आज सुबह जलमुर्गी के चूज़े मेरे घर में घुस आए।
बाहर दो जलमुर्गियाँ ज़ोर-ज़ोर से चिचिया रही थीं।
मैंने दीवार की ओट में एक बिलौटा देखा।

मुझे देखकर बिलौटा भाग गया।
लेकिन जलमुर्गियाँ शोर मचाती रहीं।

मैंने भीतर जाकर देखा। एक चूज़ा फर्श पर था। दूसरा सोफ़े के नीचे। मैंने उन्हें उनके माँ-बाप के हवाले कर दिया। पर जलमुर्गियाँ शोर मचाती रहीं।

एक मच्छर भिनभिना रहा था।
उसे भगाने केलिए मैंने ताली पीटी।
आवाज़ सुनकर पलंग के नीचे छुपा
चूज़ा तेज़ी से बाहर भागा।

पर जलमुर्गियाँ डटी रहीं। मैंने हर जगह खोजा।
बाथरूम में दो चूज़े पानी में खेल रहे थे।
मैंने उन्हें पकड़ा और बरामदे में छोड़ दिया।

जलमुर्गियों ने एक नज़र अपने चूज़ों को देखा।
फिर नदी की तरफ़ दौड़ पड़ीं।
पाँचों चूज़े भी उनके पीछे-पीछे चले जा रहे थे।
उस दिन मैंने जाना कि जलमुर्गियों को भी गिनती आती है।

चित्र के नीचे उचित वाक्य जोड़ें

- घर के सामने एक बिलौटा है।
- पेड़ के नीचे एक लड़का है।
- तालाब के किनारे एक जलमुर्गी है।

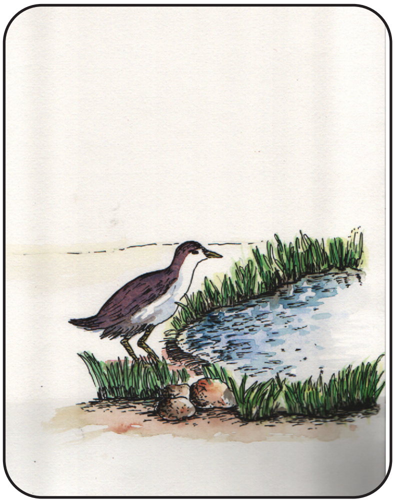

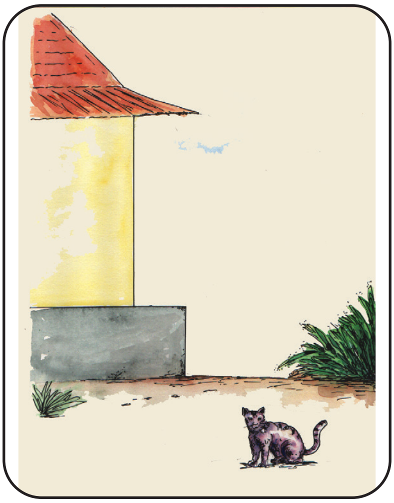

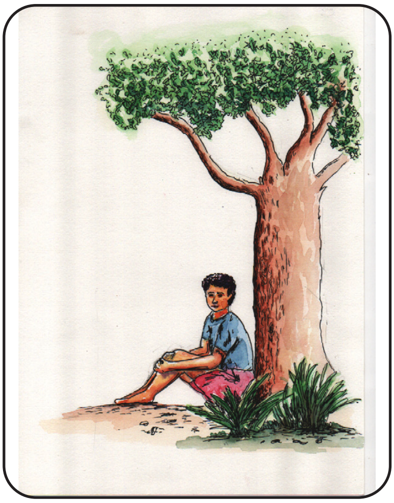

सही वाक्य चुनें, डायरी लिखें

- आज जलमुर्गी के चूज़े मेरे घर में घुस आए।
- जलमुर्गियाँ शोर मचा रही थीं।
- जलमुर्गियों को भी गिनती आती है।
- बिलौटे से डर कर चूज़े घर के अंदर घुस गए।
- मैंने चूज़ों को पकड़कर जलमुर्गियों को दे दिया।
- जलमुर्गियाँ नदी की तरफ़ दौड़ गईं।

चित्र कहानी की पूर्ति करें

मेरे घर में एक बिल्ली है।

उसका नाम ....

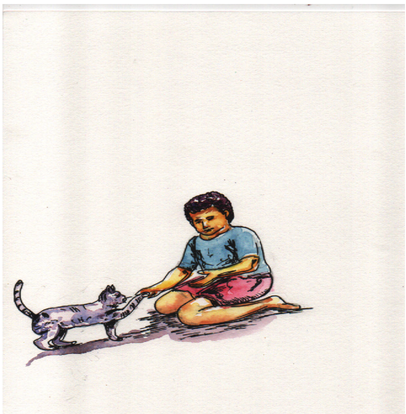

पानी

त्रिलोक सिंह ठकुरेला

पानी से हर बूँद बनी है,
पानी का ही सागर।
नभ में बादल दौड़ लगाते,
भर पानी की गागर ॥

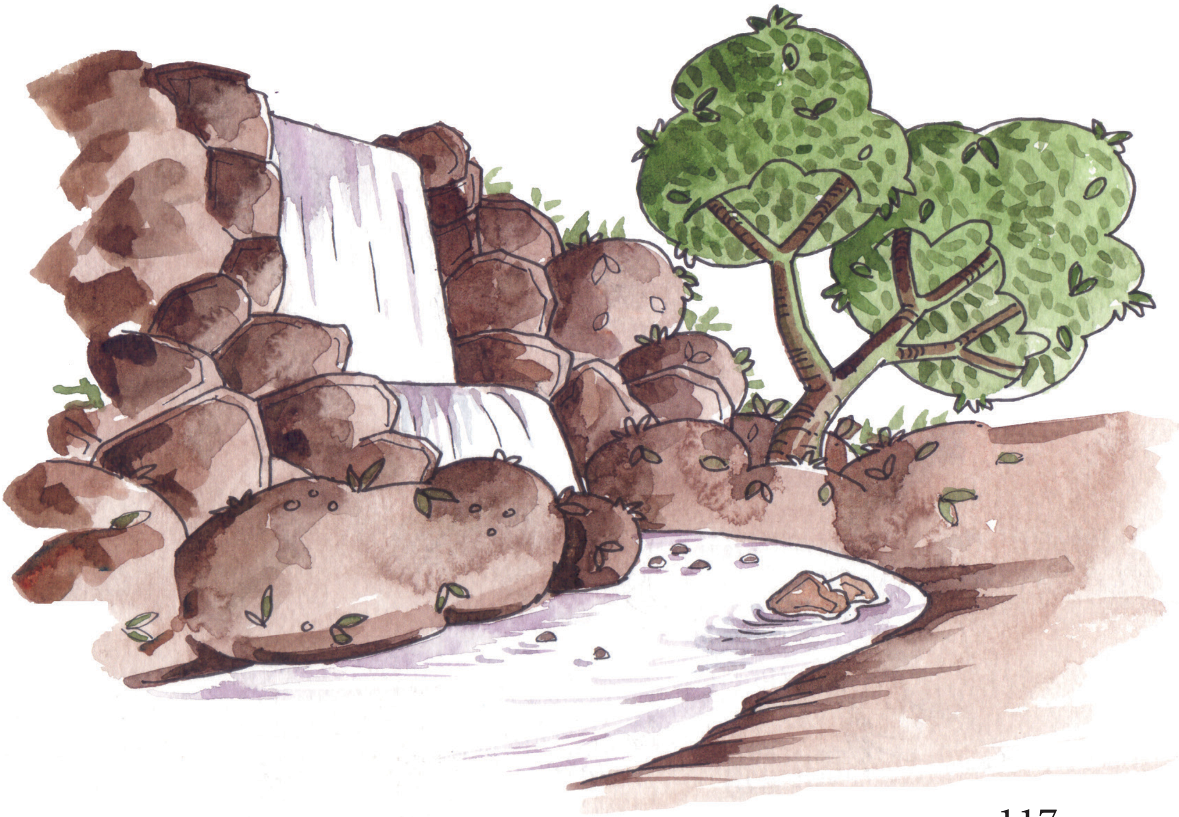

पानी से ही बहते झरने,
नदियाँ नाले बहते।
ताल-तलैया, झील, सरोवर
पानी से भर रहते॥

पानी से ही फसलें उगतीं,
हर वन उपवन फलता।
पानी से ही इस वसुधा पर
सबका जीवन चलता॥

आओ, बचत करें पानी की
पानी उत्तम धन है।
पानी से ही यह जग सुंदर
पानी से जीवन है॥

चित्र देखें, कविता से समान आशयवाली पंक्तियाँ जोड़ें

-------------------- ।

-------------------- ।

पढ़ें और भरें

- झरने बहते
- नाले बहते
- ताल-तलैया भर जाते
- गागर भर जाती

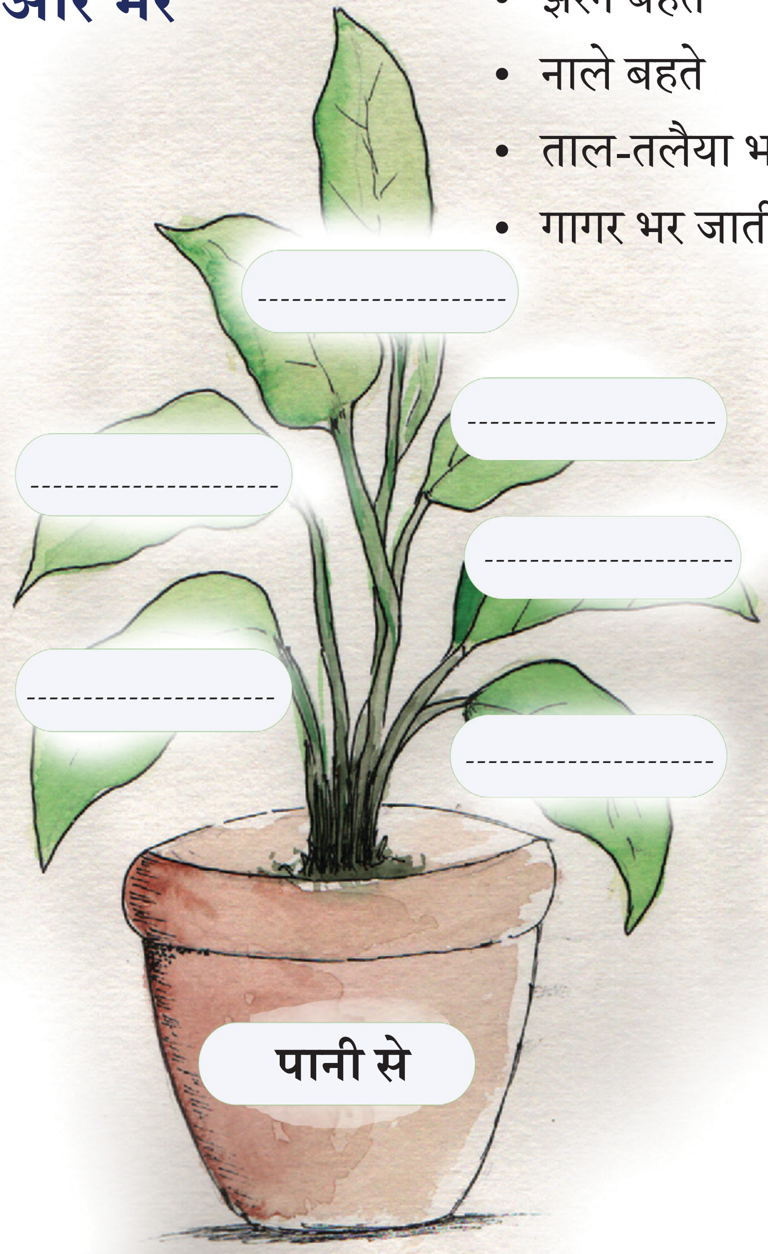

♦ कविता का आशय लिखें

‘आओ, बचत करें पानी की’
पानी के महत्व पर पोस्टर तैयार करें

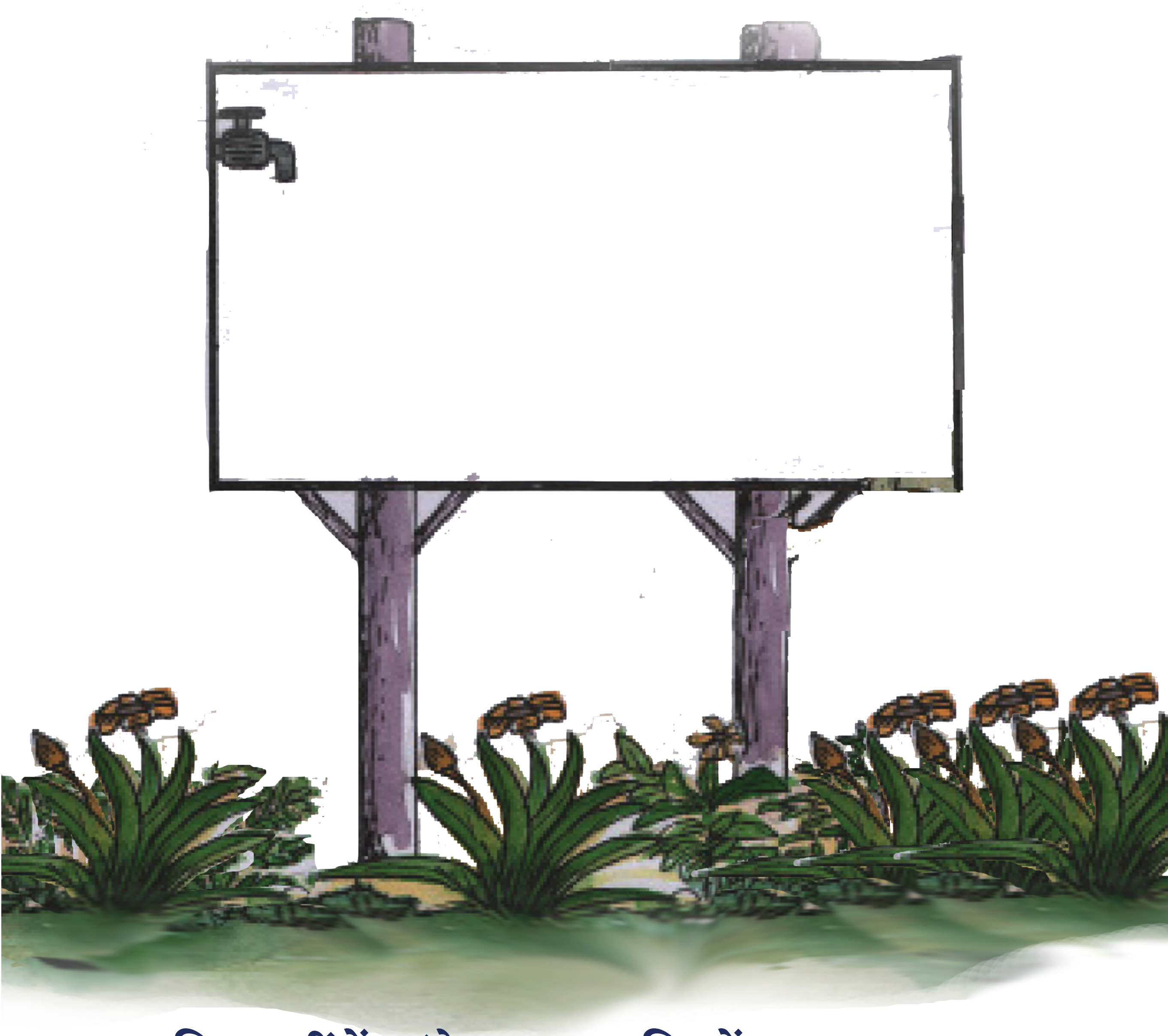

चित्र खींचें, संदेश वाक्य लिखें,
आकर्षक बनाएँ

कविता से समानार्थक शब्द चुनें और लिखें

जंगल		तालाब	
	संसार		धरती
मेघ		बगीचा	
	समुद्र		आकाश
		जल	

मदद लें

एक... दो...तीन...

मेरा	എന്റെ	my
	ನನ್ನ	எனது
नदी के किनारे	നദീ തീരത്ത്	beside the river shore
	ನದೀ ತೀರದಲ್ಲಿ	நதிக்கரை
वहीं रहता है	അവിടെത്തന്നെ താമസിക്കുകയാണ്	staying there itself
	ಅಲ್ಲಿಯೇ ವಾಸಿಸುತ್ತವೆ	
	அங்கேயே தங்குகிறார்கள்	
जलमुर्गियों का एक परिवार	കുളക്കോഴികളുടെ ഒരു കുടുംബം	A family of water hen
	ನೀರುಕೋಳಿಗಳ ಒಂದು ಕುಟುಂಬ	
	நீர்க்கோழிகளின் ஒரு குடும்பம்	
जलमुर्गी के चूज़े	കുളക്കോഴിക്കുഞ്ഞുങ്ങൾ	water hen chicks
	ನೀರುಕೋಳಿಯ ಮರಿಗಳು	
	நீர்க்கோழிகளின் குஞ்சுகள்	
घुस आए	കയറി വന്നു	entered
	ಪ್ರವೇಶಿಸಿತು	ஏறி வந்தது
बाहर	പുറത്ത്	outside
	ಹೊರಗಡೆ	வெளியே
एक जोड़ा	ഒരു ജോഡി	a pair
	ಹೊರಗಡೆ	ஒருஜோடி
ज़ोर-ज़ोर से	ഉച്ചത്തിൽ	Loudly
	ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ	உரக்க
जलमुर्गियाँ चिचिया रही थीं	കുളക്കോഴികൾ ശബ്ദമുണ്ടാക്കിക്കൊണ്ടിരുന്നു	
	water hen kept making sound	
	ನೀರುಕೋಳಿಗಳು ಶಬ್ದವುಂಟುಮಾಡುತ್ತಿದ್ದುವು	
	நீர்க்கோழிகள் சத்தமிட்டுக்கொண்டிருந்தன	
दीवार	ചുമര്	wall
	ಗೋಡೆ.	சுவர்
दीवार की ओट में	ചുമരിന് മറവിൽ	Behind the wall
	ಗೋಡೆಯ ಹಿಂದೆ	சுவரின் பின்னால்

बिलौटा	പൂച്ചക്കുഞ്ഞ്	Kitten
	ಬೆಕ್ಕಿನ ಮರಿ	பூனைக்குட்டி
देखा	കണ്ടു	Saw
	ಕಂಡಿತು	கண்டது
मुझे देखकर	എന്നെ കണ്ടിട്ട്	on seeing me
	ನನ್ನನ್ನುಕಂಡು	என்னைப் பார்த்தபின்
छोड़ दिया	ഉപേക്ഷിച്ചു	Left
	ಬಿಟ್ಟುಬಿಡು	வெளியே எறிந்தார்
भाग गया	ഓടിപ്പോയി	ran away
	ಓಡಿ ಹೋದುವು	ஓடி ப்போயிற்று
लेकिन	എന്നാൽ	but
	ಆದರೆ	ஆனால்
शोर मचाती रहीं	ബഹളംവച്ചുകൊണ്ടേയിരുന്നു	kept making noice
	ಕಿರುಚುತ್ತಾಇದ್ದುವು	
	சத்தமிட்டுக்கொண்டே இருந்தது	
भीतर	അകത്ത്	Inside
	ಒಳಗೆ	உள்ளே
जाकर देखा	പോയി നോക്കി	went and saw
	ಹೋಗಿ ನೋಡಿದೆ	போய்ப்பார்த்தான்
फर्श	തറ	floor
	ನೆಲ	தரை
दूसरा	രണ്ടാമത്തേത്	The second one
	ಎರಡನೆಯದು	இரண்டாவது
सोफ़े के नीचे	സോഫക്കടിയിൽ	beneath the Sofa
	ಸೋಫಾದ ಕೆಳಗೆ	சோபாவின் அடியில்
उन्हें	അവയെ	Them
	ಅವುಗಳನ್ನು	அவற்றை
उनके	അവരുടെ	Their
	ಅವರ	அவர்களின்
माँ-बाप	അച്ഛനമ്മമാർ	mother and father
	ತಂದೆ ತಾಯಂದಿರು	அப்பா அம்மா

हवाले कर दिया	ഏൽപ്പിച്ചു	Handed over
	ಹಸ್ತಾಂತರಿಸು	கொடுத்தார்
मच्छर	കൊതുക്	mosquito
	ಸೊಳ್ಳೆ	கொசு
भिनभिना रहा था	മൂളിപ്പറന്നു കൊണ്ടിരുന്നു	mosquito was buzzing
	à ಗುಂಯ್ ಗುಡುತ್ತಿದ್ದರು	
	ரீங்காரமிட்டுப்பறந்துகொண்டிருந்தது	
आवाज़	ശബ്ദം	sound
	ಸದ್ದು	ஓசை
आवाज़ सुनकर	ശബ്ദം കേട്ടിട്ട്	hearing the voice
	ಸದ್ದುಕೇಳಿ	சத்தம் கேட் ட பிறகு
पलंग के नीचे	കട്ടിലിനടിയിൽ	beneath the cot
	ಅಡಗಿಕೊಂಡಿರು	கட்டிலின் அடியில்
छुपा	ഒളിച്ചിരുന്നു	hidden
	ಅಡಗಿಕೊಂಡಿರು	ஒளிந்திருந்தது
तेज़ी से बाहर भागा	വേഗത്തിൽ പുറത്തേക്ക് ഓടി	rushed out
	ಬೇಗನೆ ಹೊರಗೆ ಹೋದವು	
	வேகமாக வெளியே போயிற்று	
डटी रहीं	പോകാൻ കൂട്ടാക്കിയില്ല	refused to move
	ಹೋಗಲು ನಿರಾಕರಿಸು	போகாமலிருந்தது
हर जगह खोजा	എല്ലായിടവും തെരഞ്ഞു	Searched everywhere
	ಎಲ್ಲಕಡೆಯೂ ಹುಡುಕಿದೆ	
	எல்லா இடத்திலும்தேடியது	
खेल रहे थे	കളിച്ചു കൊണ്ടിരിക്കുകയായിരുന്നു	were playing
	ಆಟವಾಡುತ್ತಿದ್ದರು	
	விளையாடிக் கொண்டிருந்தது	
उन्हें पकड़ा	അവയെ പിടിച്ചു	caught them
	ಅವುಗಳನ್ನುಹಿಡಿದನು	அவற்றைப்பிடித்தது
फिर	വീണ്ടും	again
	ಪುನಃ	மீண்டும்

पीछे-पीछे
പിന്നാലെ — behind
ಹಿಂದೆಯೇ — பின்னால்

नज़र
നോട്ടം — glance
ನೋಟ — பார்வை

मैंने जाना
ഞാൻ മനസിലാക്കി — I realised
ನಾನು ತಿಳಿದುಕೊಂಡೆ
நான் புரிந்துகொண்டேன்

कि
എന്തെന്നാൽ — because
ಏನೆಂದರೆ — என்னவென்றால்

गिनती आती है
എണ്ണൽ അറിയാം — knows counting
ಎಣಿಸಲು ತಿಳಿದಿದೆ — எண்ணத்தெரியும்

भगाने के लिए ताली पीटी
ഓടിക്കാൻ വേണ്ടി കൈ കൊട്ടി
clapped to drive away
ಅದನ್ನುಓಡಿಸುವುದಕ್ಕಾಗಿ ಕೈಯಿಂದ ಹೊಡೆದ
அதனை விரட்டுவதற்கு கையால் அடித்தான்

पानी

हर बूँद बनी है
ഓരോ തുള്ളിയും ഉണ്ടായി — each drop formed
ಪ್ರತಿಯೊಂದೂ ಹನಿಯೂ ಉಂಟಾಯಿತು
ஒவ்வொரு துள்ளியும் உருவானது

सागर
സമുദ്രം — Sea
ಸಮುದ್ರ — கடல்

नभ
ആകാശം — sky
ಆಕಾಶ — வானம்

बादल
മേഘം — cloud
ಮೋಡ — மேகம்

बादल दौड़ लगाते
കാർമേഘം ഉരുണ്ട് കൂടാൻ തുടങ്ങി
the clouds covered the sky
ಮೋಡಗಳಿಂದ ಆ ವೃತವಾದವು
மேகம் இருண்டு வரத் தொடங்கியது

भर पानी की गागर	കുടത്തിൽ നിറയെ വെള്ളവുമായി Pot full of water ಮಡಕೆ ತುಂಬಾ ನೀರು குடம் நிறைய தண்ணீருடன்
बहते झरने	ഒഴുകുന്ന അരുവി — flowing stream ಹರಿಯುವ ತೊರೆ — ஒழுகிவரும்அருவி
नदियाँ-नाले बहते	നദികളും തോടുകളും ഒഴുകുന്നു rivers and canals are flowing ಹರಿಯುವ ನದಿಗಳೂ ತೋಡುಗಳೂ நதிகளும் நீரோடைகளும்பாய்கின்றன
ताल-तलैया	തടാകവും കുളവും — lakes and ponds ಕೆರೆಗಳೂ ತೋಡುಗಳೂ — ஏரியும்குளமும்
झील	തടാകം — lake ತಟಾಕ — ஏரி
सरोवर	പൊയ്ക — lake ಸರೋವರ — பொய்கை
फसलें उगतीं	വിളവുണ്ടാകുന്നു — the yield occurs ಬೆಳೆ ಬೆಳೆಯುವುದು — பயிர் உருவாகிறது
उपवन	ഉദ്യാനം — garden ಉದ್ಯಾನ — தோட்டம்
वसुधा	ഭൂമി — Earth ಭೂಮಿ — புவி
बचत करें पानी की	ജലം സംരക്ഷിക്കാം — Conserve water ನೀರನ್ನುಸಂರಕ್ಷಿಸೋಣ. தண்ணீரைப் பாதுகாப்போம்
पानी उत्तम धन है	വെള്ളമാണ് ഏറ്റവും നല്ല സമ്പത്ത് water is the supreme wealth ನೀರು ಅಮೂಲ್ಯಸಂಪತ್ತಾಗಿದೆ தண்ணீர் நல்ல செல்வம்
जग	ലോകം — world ಜಗತ್ತು — உலகம்

पठित शब्दों से भरें

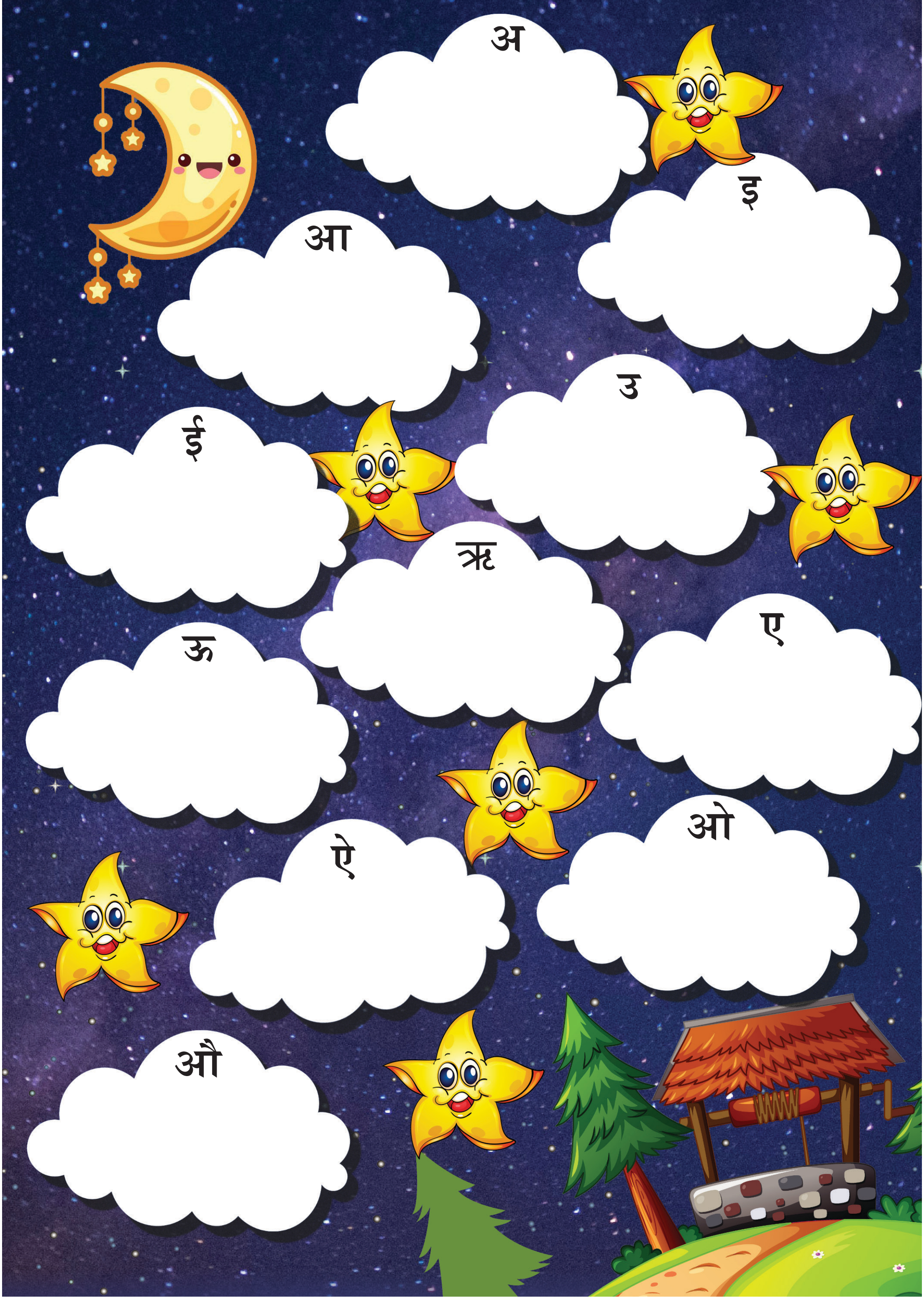

क	ख	ग	घ	ङ
च	छ	ज	झ	ञ
ट	ठ	ड	ढ	ण
त	थ	द	ध	न
प	फ	ब	भ	म

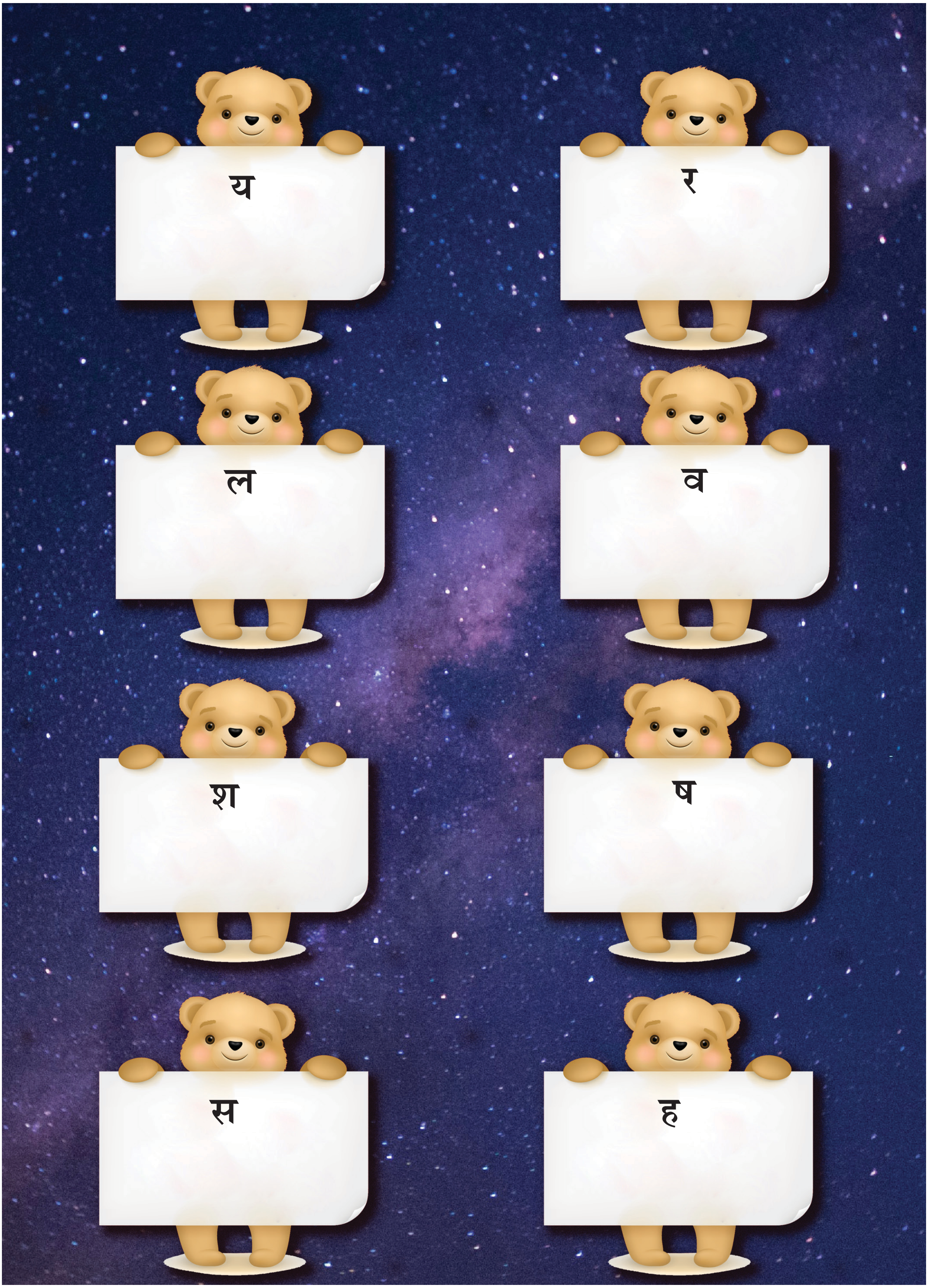
य
र
ल
व
श
ष
स
ह

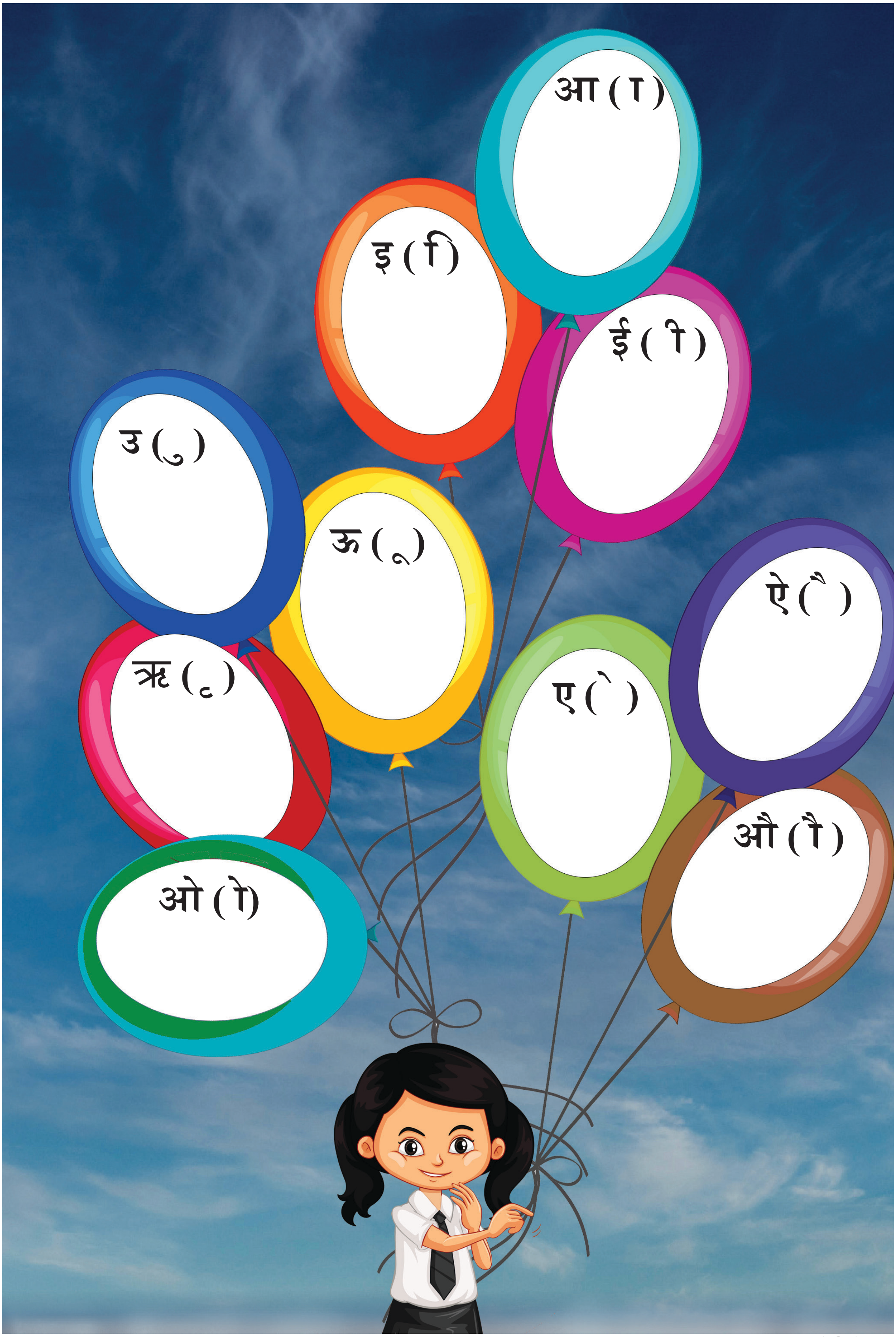
आ (ा)
इ (ि)
ई (ी)
उ (ु)
ऊ (ू)
ऐ (ै)
ऋ (ृ)
ए (े)
औ (ौ)
ओ (ो)

श्याम सुशील सिंह

जन्म : 28 अगस्त 1957, उत्तरप्रदेश के एक किसान परिवार में।

शिक्षा : दिल्ली विश्वविद्यालय से हिंदी साहित्य में एम.ए।

कार्यक्षेत्र एवं अनुभव :

दैनिक हिन्दुस्तान में संपादन। दूरदर्शन में रचनात्मक कार्य।

रचनाएँ : बाल कविताएँ, 'त्रिलोचन' का सह संपादन।

पुरस्कार : इंडो एशियन लिटररी क्लब द्वारा सम्मानित।

मंजरी शुक्ला

जन्म : 30 मार्च 1977, लखनऊ में|

शिक्षा : अंग्रेज़ी साहित्य में पी.एच.डी

रचनाएँ : बाल साहित्य, रंगमंच का

समीक्षा लेखन ,अनुवाद ,स्क्रिप्ट लेखन आदि

मुकेश नौटियाल

जन्म : 1971, उत्तराखंड में।

कार्यक्षेत्र : रेडियो और दूरदर्शन पर सक्रिय।

रचनाएँ : चार कथा संग्रह, आठ बाल कथा संग्रह, एक यात्रा वृत्तांत।

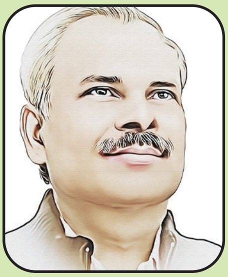

त्रिलोक सिंह ठकुरेला

जन्म : 1966, उत्तरप्रदेश के हाथरस में |

रचनाएँ : बाल साहित्य, लघुकथाएँ, कविताएँ |

पुरस्कार : राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा सम्मानित

स्वनिर्धारण

मेरी नज़र में ...

इकाई 4

☑ करें।

	सफल हूँ	असफल हूँ
• कविता का ताल-लय के साथ आलाप करने में	😀	😔
• कविता लिखने में	😀	😔
• जोड़े बनाने में	😀	😔
• समान आशयवाली पंक्तियाँ लिखने में	😀	😔
• सही वाक्य पर टिक लगाने में	😀	😔
• कहानी सुनकर आशय ग्रहण करने में	😀	😔
• कहानी पढ़कर आशय समझने में	😀	😔
• वाक्य लेखन में	😀	😔
• क्रम से वाक्य लिखने में	😀	😔
• वार्तालाप लिखने में	😀	😔
• मैमिंग करने में	😀	😔
• मुखौटा बनाने में	😀	😔
• अभिनय करने में	😀	😔

इकाई 5

☑ करें।

	सफल हूँ	असफल हूँ
• कहानी पढ़कर आशय ग्रहण करने में	🙂	🙁
• वाक्य जोड़ने में	🙂	🙁
• डायरी लिखने में	🙂	🙁
• चित्र कहानी लिखने में	🙂	🙁
• कविता का ताल-लय के साथ आलाप करने में	🙂	🙁
• समान आशयवाली पंक्तियाँ चुनने में	🙂	🙁
• कविता का आशय लिखने में	🙂	🙁
• समानार्थी शब्द कविता से चुनने में	🙂	🙁

भारत का संविधान

भाग 4 क

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य-

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करनेवाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और अक्षुण्ण बनाए रखे,

घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उनका परिरक्षण करे,

छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

ट) छह और चौदह साल के बीच के अपने बच्चे/बच्ची को या अपने संरक्षण में रहनेवाले बच्चे / बच्ची को उसके माता-पिता या अभिभावक तदनुकूल शिक्षा प्रदान करने का अवसर दें।

बच्चों के हक

प्यारे बच्चो,

क्या आप जानना चाहेंगे कि आपके क्या-क्या हक हैं? अधिकारों का ज्ञान आपको सहभागिता, संरक्षण, सामाजिक नीति आदि सुनिश्चित करने की प्रेरणा तथा प्रोत्साहन देगा। आपके अधिकारों के संरक्षण के लिए अब एक आयोग है- केरल राज्य बालाधिकार संरक्षण आयोग।देखें, आपके क्या-क्या हक हैं-

- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हक**
- **व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीने का हक**
- **उत्तरजीविता का एवं सर्वांगीण विकास का हक**
- **धर्म, जाति, वर्ग एवं वर्ण की संकीर्णता से बढ़कर आदर पाने एवं मान्यता प्राप्त करने का हक**
- **मानसिक, शारीरिक एवं लिंगपरक अतिक्रमण से परिरक्षण पाने का हक**
- **भागीदारी का हक**
- **बालश्रम से एवं खतरनाक पेशों से मुक्ति का हक**
- **बाल विवाह से परिरक्षण पाने का हक**
- **अपनी संस्कृति जानने एवं तदनुरूप जीने का हक**
- **उपेक्षाओं से परिरक्षण पाने का हक**
- **मुफ़्त तथा ज़बरदस्त शिक्षा पाने का हक**
- **खेलने तथा पढ़ने का हक**
- **सुरक्षित एवं प्रेमयुक्त परिवार तथा समाज में जीने का हक**

कुछ दायित्व

- स्कूल एवं सार्वजनिक संस्थाओं का परिरक्षण करना।
- स्कूल एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं में समय की पाबंदी रखना।
- अपने माता-पिता, अध्यापक, स्कूल के अधिकारी तथा मित्रों का आदर करना और उन्हें मानना।
- जाति-धर्म-वर्ग-वर्ण की संकीर्णताओं से बढ़कर दूसरों का आदर एवं सम्मान करना।

Contact Address:

Kerala State Commission for Protection of Child Rights

'Sree Ganesh', T. C. 14/2036, Vanross Junction

Kerala University P. O., Thiruvananthapuram- 34, Phone: 0471-2326603

Email: childrights.cpcr@kerala.gov.in, rte.cpcr@kerala.gov.in

Website: www.kescpcr.kerala.gov.in

Child Helpline 1098, Crime Stopper 1090, Nirbhaya - 1800 425 1400

Kerala Police Helpline 0471-3243000/44000/45000

Online R. T. E Monitoring: www.nireekshana.org.in